




TOPIC:17

मैथिली आ दोसर पुबरिया भाषाक बीचमे सम्बन्ध (बांग्ला, असमिया आ ओड़िया)

[यू.पी.एस.सी. (संघ लोक सेवा आयोग) क मैथिली ऐच्छिक सिलेबस - पत्र-१, भाग-“ए”, क्रम-५])

१

मैथिली आ बांग्ला

मैथिली	**बांग्ला**
अपने	आपनि
नै (नहि)	नय
छी	आछि/ छि
काज	काज
इनार	इनार
करै (करैत) छी	कोरेछि
गेल छलौं (छलहुँ)	गियेछिलाम
बाजू नै	बोलबेन ना
रान्हल	रान्ना
की	कि
संगे	शंगे
चाह	चा
दू टा	दुटो
ई सब	एशब
सिंघाड़ा	शिङाड़ा
कोन	कोन
हाथ	हात
अखन	ऐखोन
पाँचटा	पाँचटा
अच्छा	आच्छा
छथि	आछेन
छी	आछि
हुअय	आछो
करू	कोरून



चाही	चाइ
खोलै छी	खुलछि
कोनो	कोनो

बांग्ला ''अ'' ओड़िया सन ''ओ'' उच्चरित होइत अछि।

मैथिली सन इ/ ई आ उ/ऊ केर ह्रस्व-दीर्घ उच्चारणमे भेद नहि अछि आ ऐ मैथिलीमे अ+इ आ बांग्लामे ओ+ई उच्चरित होइत अछि। औ बांग्लामे ओ+उ उच्चरित होइत अछि।

''न'' आ ''ण'' केर उच्चारण बांग्लामे एके रङ होइत अछि। मैथिलीमे ''ण'' केर उच्चारण कखनो काल ''ड़'' होइत अछि (गणेश=गड़ेस)।

व/ ब एके रङ ''ब'' (मैथिली जकाँ) सन उच्चरित होइत अछि।

आश्विन मैथिलीमे लिखलो आ बाजलो ''आसिन'' जाइत अछि मुदा बांग्लामे लिखल आश्विन आ बाजल आश्शिन जाइत अछि।

तहिना :-

बांग्लामे एना लिखल जाइत अछि	**बांग्लामे एना बाजल जाइत अछि**
अन्वेषण	अन्नेशन
श्वास	शाश
उच्छ्वास	उच्छास
अक्षर	अक्खोर
पद्म	पद्दो
विस्मय	बिश्शय
उज्जवल	उज्जल

फेर बांग्लामे एना लिखल आ फराकबाजल सेहो जाइत अछि:-

बांग्लामे एना लिखल जाइत अछि	**बांग्लामे एना बाजल जाइत अछि**
संस्हा	शंस्था
स्हान	स्थान





सुस्ह्	शुस्थो
असुस्ह्	अशुस्थो

बांग्लामे कोनो शब्द पर विशेष बल देबाकलेल -तो जोड़ल जाइत अछि।

बांग्लामे पूर्व निर्दिष्ट वस्तु लेल प्रयुक्त वस्तुवाचक संज्ञा/ सर्वनामक एकवचनमे -टा -टि आ बहुवचनमे -गुलो, -गुलि जोड़ल जाइत अछि।

बांग्लामे संख्यावाचक शब्दक संग -टा, -टि, -टे, -टो जोड़ल जाइत अछि मुदा -गुलो, -गुलि केर प्रयोग नहि होइत अछि।

बांग्लामे ‘‘संग’’ आ ‘‘लेल’’ सन अव्यय लेल सम्बन्ध विभक्तिक प्रयोग होइत अछि जेना:-

चायेर शंगे- चाहक संग

आमार शंगे- हमरा संग

आमार जोन्ने- हमरा लेल

बांग्लामे सर्वनामक सम्बन्धवाचक रूपबनेबा लेल सर्वनामक तिर्यक रूपमे -देर जोड़ल जाइत अछि।

आमा-आमादेर-हमर

आपना-आपनादेर-अहाँक

तोमा-तोमादेर- तोहर

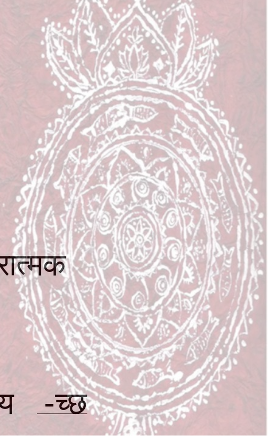
एना-एनादेर-हिनकर

वर्त्तमान काल आज्ञार्थकक बाद -ना प्रयोग जोर देबा लेल कयल जाइत अछि।

देखू ने- देखुन ना

कोनो शब्द पर बल देबा लेल मैथिलीमे द्वित्व+एकार केर प्रयोग होइत अछि जेना- कम्मे, एक्के। बांग्लामे ई प्रभाव -इ युक्त भेलासँ अबैत अछि जेना-कमइ।



मैथिलीमे ‘‘अछि’’ केर नकारात्मक ‘‘नहि अछि’’ प्रयुक्त होइत अछि मुदा बांग्लामे ‘‘आछे’’ केर नकारात्मक लेल मात्र ‘‘नेइ’’ प्रयुक्त होइत अछि।

अपूर्णकालिक क्रियारूप मे जँ धातु स्वरांत होइत अछि तँ धातुक तिर्यक रूपक संग कालवाची प्रत्यय -च्छ जोड़ल जाइत अछि। जँ धातु व्यंजनान्त होइत अछि तँ धातुक तिर्यक रूपमे -छ जोड़ल जाइत अछि। कालवाचक प्रत्यय लगेलाक बाद पुरुषवाचक प्रत्यय जोड़ल जाइत अछि।

मैथिली	बांग्ला
हम अबै छी	आमि फिरिछि
हम जाइ छी	आमि जाच्छि
ओ सब आबै छथि	उनि फिरछेन
अहाँ जाइ छी	आपनि जाच्छेन
तूँ आबै छैँ	तुमि फिरछो
तूँ जाइ छैँ	तुमि जाच्छो
ओ सब अबैत छथि	तिनि फिरछेन
ओ सब जाइ छथि	तिनि जाच्छेन
ओ आबै छथि	शे फिरछे
ओ जाइ छथि	शे जाच्छे
अहाँ अबैत छी	आपनि फिरछेन
अहाँ करैत छी	आपनि कोरछेन

बांग्लामे एक प्रकारक असमापिका क्रिया होइत अछि- क्रियाक तिर्यक रूपक। बादमे -ते जोड़लासँ ई बनाओल जाइत अछि।

करय मे- कोरते (कोर+ते)

जाइ मे- जेते (जा+ते)

आबय मे- आशते (आश+ते)

मैथिली सन बांग्लामे सेहो दू शब्द वा वाक्यकँ जोड़बा लेल ओ, आर, एबं (मैथिलीमे एवं/ एवम्) केर प्रयोग होइत अछि। बांग्लामे ‘‘ओ’’ केर प्रयोग ‘‘संग’’ केर अर्थमे सेहो होइत अछि।

हमहूँ- आमि ओ



धातुक पाछाँ पुरुषवाचक प्रत्यय लगा कय क्रियाक सामान्य वर्त्तमान कालक रूप बनि जाइत अछि।

कर+इ= कोरि

कर+एन= करेन

कर+ओ= करो

कर+इश= कोरिश

कर+ए= करे।

२

मैथिली आ असमिया

मैथिली जकाँ असमियामे सेहो ह्रस्व इ दीर्घ ई, आ ह्रस्व उ दीर्घ ऊ केर उच्चारणमे कोनो खास अन्तर नहि होइत अछि। मुदा असमिया ऐ केर उच्चारण ओइ आ औ केर उच्चारण ओउ होइत अछि। पहिल तँ मैथिलीसँ भिन्न मुदा दोसर मैथिलीक समान।

मैथिलीमे जेना ''अ'' बाजल जाइत अछि असमियामे तेना ''आ'' बाजल जाइत अछि। असमियाक ''अ'' केर उच्चारण मैथिलीमे नहि अछि।

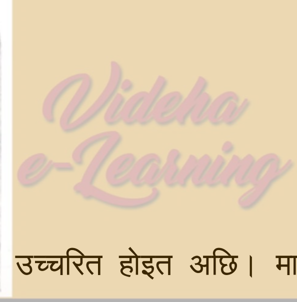
असमिया ''च'' आ ''छ'' मैथिलीक ''स'' सन बाजल जाइत अछि। असमियाक ''ज'' ''झ'' आ ''य'' मैथिलीक ''ज'' सन उच्चरित होइत अछि। मैथिलीमे सेहो बहुत ठाम ''य'' केर उच्चारण ''ज'' सन होइत अछि।

असमियामे मूर्धन्य आ दन्त दुनू दन्तमूलीय सन उच्चरित होइत अछि।

ट. ठ, ड, ढ, ण, त, थ, द, ध, न एहि सभमे उच्चारणक दृष्टिसँ कोनो अन्तर नहि होइत अछि, सभटा दन्तमूलीय सन उच्चरित होइत अछि।

श, ष, स तीनू ''स'' सन उच्चरित होइत अछि। मैथिलीमे ''ष'' कखनो काल ''ख'' सन उच्चरित होइत अछि। मैथिलीमे सेहो ''श'' आ ''स'' ''स'' सन उच्चरित होइत अछि।

''श'' ''ष'' आ ''स'' ''र'' केर संग वा दू स्वरक बीचमे रहला पर एकटा तेसरे ढंगसँ उच्चरित होइत अछि, जकर समान मैथिलीमे कोनो उच्चारण नहि अछि।



असमियामे ‘‘जँ संयुक्ताक्षरसँ शब्दक अंत होइत अछि तँ ओ अकारान्त उच्चरित होइत अछि। माने ‘‘ञ’’ केर उच्चारण ‘‘न’’ सन होइत अछि।

मैथिली	असमिया
ऐ (अइ)	एइ
चाह	साह
हमर	मोर
कनियाँ	परिवार
परिवार	संसार
बहीन	मनी
जलखै/ जलपान	जलपान
दही	दोइ
नारिकेलक लड्डू (लड्डू)	नारिकलर लारू
सुआद (सोआद)	सोआद
नीक (भल)	भाल
बेस (बड्ड)	बेस
खाउ	खाओक
लिअ	लओक
जाउ	जाओक
करू	करक
अपने	आपुनि
करबाक/ करू (करक)	करक
जएबाक (जाउ)	जाओक
अहाँ	आहा
धानक	धानर
दिअ	दियक
दे	दे
बाड़ीमे	बाड़ीत
औषध	औसध
नेबू (नेबो)	नेमु
कथा (गप)	कथा
एक बेर	एबार
दुइ	दुइ






चारि	सारि
मते (अनुसारे)	मते
लगाति	लगत
खेनाइ	खा
तूँ (पुरातन-तोइ)	तोइ
आइ-काल्हि	आजिकालि
करह	कर्अ
कतऽ	कोत
नहि (नइँ)	नाइ
चाहक पात	साह पात
बाँस	बाँह
नोकसान	लोकसान
बौस्तु	बस्तु
आनौं (आनी)	आनौं
करौं (करी)	करौं
लिखौं (लिखू)	लिखौं
एक बेर	एबार
आबह	आह
टाका-पाइ (पइसा)	टका-पइसा
के	कोन
परिवार	परियाल
छौरा	लोरा
रखलौं	राखिसों
ऱाति	राति
बजे	बजात
प्रायः	प्राय
भाराक घर	भाराघर
डेढ़ हजार	डेर हेजार
बेसी	बेसि
पचास	पसास
हाथी	हाँती
हरिण	हरिणा
पोखरि	पुखुरि







असमियामे कोनो शब्द पर जोर देबाले -हे जोड़ि कऽ बाजल जाइत अछि। असमियामे जनी स्त्रीलिंग वाचक प्रत्यय तँ -जन पुल्लिंग वाचक प्रत्यय अछि।

असमियामे बहुवचन बनबै लेल तीन प्रकारक विभक्ति लगैत अछि। ‘‘तुमि’’, ‘‘तेओँ’’, ‘‘आपुनि’’ क संग -लोक, तुच्छार्थबोधक विशेष्य पदक संग -बोर, ‘‘तइ’’, ‘‘सि’’, ‘‘एइ’’, ‘‘ताइ’’ सर्वनाम आ संबंधवाचक विशेष्य पदक संग ‘‘हैंत’’ क प्रयोग होइत अछि।

एकवचन	**बहुवचन**
तुमि	तोमालोक
आपुनि	आपोनालोक
तेओ	तेओँलोक
तइ	तहँत
सि	सिहँत
एइ	एइहँत
ताइ	ताइहँत/ सिहँत
लोरा	लोराबोर
किताप	कितापबोर
घर	घरबोर

असमियामे ‘‘ई’’/‘‘एकरा’’ लेल ‘‘एइ’’ आ ‘‘ओ’’/’’ओकरा’’ लेल ‘‘सेइ’’ प्रयुक्त होइत अछि। लागत/ पड़त लेल असमियामे लागिब प्रयुक्त होइत अछि।

असमियामे प्रश्नवाचक वाक्यमे जाहि शब्द पर बलदेबाक रहैत छैक ओहिमे -नो जोड़ल जाइत छैक। धातुक संग -ओवा जोड़ि कऽ भूतकाल वाचक विशेषणक निर्माण होइत अछि।

मूल धातुक संग -आ जोड़ि कऽ क्रियावाची संज्ञा बनाओल जाइत अछि।

असमियामे कर्मवाच्यक ब्रिया बनेबा लेल धातुमे -आ जोड़ि कऽ आ फेर -हय वा -जाय केर प्रयोग कयल जाइत अछि।

मैथिली सन असमियामे सेहो क्रिया कालक अनुसार बदलैत अछि।



३

मैथिली आ ओड़िया

किछु विशेष टिप्पणी देल जा रहल अछि जाहिसँ मैथिली आ ओड़ियाक बीचमे सम्बन्ध स्पष्ट भऽ जायत।

मैथिलीमे ‘‘ई’’ केर बदला ओड़ियामे ‘‘इए’’ प्रयुक्त होइत अछि, मुदा उच्चारण दुनू ठाम एक्के छैक, मात्र वर्त्तनीमे अन्तर छैक। जेना रेघा कऽ हम सब ‘‘ई’’ बाजै छी सएह ‘‘इए’’ छिऐ।

‘‘तूँ जाह’’ हम सब कहै छी आ ओड़ियामे ‘‘तू जाऽ‘‘ कहल जाइत अछि। ‘‘तूँ जो’’ हम सब कहै छी आ ओड़ियामे ‘‘तुमे जाअ’’, हमसब ‘‘अहाँ जाऊ’’ आ ओड़ियामे ‘‘आपण जाआन्तु’’ कहल जाइत अछि।

मैथिलीमे ‘‘अछि’’ ओड़ियामे सेहो ‘‘अछि’’ अछि।

हमर केर प्राचीन मैथिली रूप ‘‘मोर’’ (पिआ मोर बालक- विद्यापति) अखनो ओड़ियामे गद्यमे ‘‘मोर’’ प्रयुक्त होइत अछि।

‘‘नहि’’ केर बदला ‘‘नाहिं’’ (नाँई) (मैथिलीमे सेहो एहेन उच्चारण होइत अछि आ मैथिली पत्रिका अंतिकामे नइँ लिखलो जाइत अछि), ‘‘अपने’’ आ ‘‘अहाँ’’ केरबदला ‘‘आपण’’ प्रयुक्त होइत अछि जे मैथिलीक ‘‘अपने’’ सन अछि।

‘‘छी’’ केर बदला ‘‘छि’’ प्रयुक्त होइत अछि।

‘‘कोन’’ केर बदला ‘‘केउँ’’, ‘‘काल्हि’’ केर बदला ‘‘कालि’’ आ ‘‘पीलक’’ केर बदला ‘‘पिइला’’ प्रयुक्त होइत अछि।

‘‘नै सुनलनि’’ केर बदला ‘‘शुणिलुनि’’, एतय गहिंकी नजरिसँ देखब तँ पता लागि जायत जे नकारात्मक बनेबा लेल ओड़ियामे ‘‘नि’’ शब्दक अन्तमे जोड़ल जाइत अछि।

’कैँ’ केर बदला ’कु’ जेना ’रामकैँ’ केर बदला ’रामकु’ प्रयुक्त होइत अछि।

‘‘देल’’ केर बदला ‘‘देल’’ यएह प्रयुक्त होइत अछि।






जेना अपने सभ भात ‘‘सिझ’’ गेल कहैत छिऐ, ओड़ियामे बरकल पानिक बदलामे ‘‘सिझापाणि’’ कहल जाइत अछि।

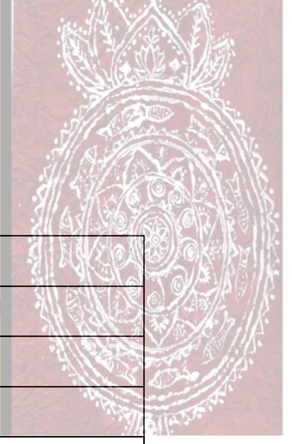
‘‘हएत’’ केर बदला ‘‘हेब’’, ‘‘नै हएत’’ केर बदला ‘‘हेबनि’’ (नि जोड़ि कऽ नकारात्मक बनल)।

अग्रिम/ अगारी केर बदलामे ‘‘आगरू’’, कराबय केर बदला करिबाकु, पड़त केर बदला पड़िब, ‘‘देखने छह’’ केरबदला ‘‘देखिछ’’, कतेक/ कत्ते केरबदला केते, जतेक/ जत्ते केर बदला जेते प्रयुक्त होइत अछि।

मैथिली केर ‘‘ओ’’ केर बदला ओड़ियामे ‘‘से’’ प्रयुक्त होइत अछि। मैथिलीमे ‘‘से’’ (जेना- से कहलक) कनेक भिन्न अर्थमे मुदा मोटा-मोटी ‘‘फराक’’ केर अर्थमे प्रयुक्त होइत अछि।

मैथिली	**ओड़िया**
जाइ छै	जाउछि
एकटा (गोटे)	गोटे
बुलब/ बुलनाइ	बुलिबा
दूटा	दिटा
कोन ठाम(कोन ठाँ)	केउँठि
जाइ छी	जाउछि
देखै छी	देखिछि
आउर के	आउ किए
आबैले छथिन्ह	आसिछन्ति
मरि गेल	मरिगला
जाइ छै	जाइछि
जेबै	जिबे
जायब	जिबि
छलै (छलय)	थिला
जैठाम (जइठाम, जइठाँ)	जेउँठि
दरमाहा	दरमा
गेल	गले
बैसा कय	बसेइदइ
करायब	करेइबा
तोहर	तांकर
लागैछै	लागुछि
करबै	करिबेनि
से काज	से काम



करि लेता	करिनेब
किछु	किछि
दऽ देबै	देइदेबि
तऽ (तँ)	त
दिआयल जायत	दिआजिब
भौजी/ भाउज	भाउज
जलखै	जळखिआ
आउर (आओर)	आउ
चाह	चा

ओड़ियामे उच्चारण सेहो कनेक भिन्न छैक, जेना ‘‘अ’’ केर उच्चारण ‘‘ओ’’ सन होइत छैक। जेना ‘‘समर’’ कँ हम सभ समर पढ़ब मुदा ओड़ियामे एकरा पढ़ल जायत ‘‘सोमोरो’’। ‘‘अ’’ लागि कय सभ व्यंजन हलन्त सँ पूर्ण होइत अछि से सभटा व्यंजनमे अ=ओ उच्चारण होयत। मैथिलीमे मनोज कँ बाजल जाइत अछि मनोजऽ, मुदा ओड़ियामे बाजल जायत मोनोजो।

इ/ ई, उ/ ऊ- मैथिली आ ओड़ियामे एक्के रङ उच्चारण होइत अछि।

ऐ जेना मैथिलीमे अ+इ आ औ जेना अ+ऊ बाजल जाइत अछि तहिना ओड़ियामे सेहो उच्चरित होइत अछि।

ऋ मैथिलीमे ‘‘री’’ बाजल जाइत अछि मुदा ओड़ियामे ‘‘रु’’ उच्चरित होइत अछि। कृप मैथिलीमे ‘‘क्रीप’’ पढ़ल जाइत अछि आ ओड़ियामे ‘‘क्रुपो’’ उच्चरित होइत अछि।

व ब सन उच्चरित होइत अछि दुनू भाषामे से मैथिलीमे ओ उच्चरित होयत ‘‘ब’’ आ ओड़ियामे ‘‘बो’’।

मुदा विदेशज शब्दक उच्चारण ओड़ियामे सेहो हलन्त सन होइत अछि आ ‘‘ओ’’ सन ‘‘अ’’ केर उच्चारण नहि होइत अछि।

मैथिली सन ‘‘य’’ कँ ‘‘ज’’ किछु ठाम पढ़ल जाइत अछि, से ‘‘यम’’ मैथिलीमे ‘‘जम’’ आ ओड़ियामे ‘‘जोमो’’ पढ़ल जाइत अछि।

शब्दक प्रारम्भमे जँ ‘‘ड’’ वा ‘‘ढ’’ अबैत अछि तँ नीचाँक बिन्दु दुनु भाषामे विलुप्त रहैत अछि।

मैथिली आ ओड़िया दुनूमे कचटतप केर पाँचम अनुनासिक्य अक्षर (क्रमसँ ङ, ञ, ण, न, म) मे सँ मात्र न आ म सँ शब्दक प्रारम्भ सम्भव अछि।

‘‘क्ष’’ मैथिलीमे ‘‘क्छ’’ उच्चरित होइत अछि आ ओड़ियामे ‘‘ख’’ वा ‘‘ख्य’’।






मराठी सन ओड़ियामे संस्कृतक ‘‘ळ’’ अखनो अछि जे मैथिलीमे आब नहि अछि।

‘‘ज्ञ’’ मैथिली आ ओड़िया दुनूमे ‘‘ग्य’’ उच्चरित होइत अछि।

‘‘त्स’’ मैथिलीमे ‘‘तस’’ मुदा ओड़ियामे (स् +च) उच्चरित होइत अछि।